राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस हेतु संदेश

प्रिय प्रधान बहनों और भाइयों,

राज्य के विकास हेतु आप द्वारा किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई!

पंचायत समिति में विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर कार्य करने के साथ–साथ बच्चों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु निरंतर प्रयास करने के बाद भी इस दिशा में और अधिक सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है।

बच्चों की आंत (पेट) में कृमि (कीड़े) संक्रमण के बहुत से हानिकारक प्रभाव हैं जैसे खून की कमी (एनीमिया), कुपोषण, भूख न लगना, थकान और बेचैनी, मल में खून आना, पेट में दर्द, मितली, उल्टी और दस्त आना। साक्ष्य सिद्ध करते है कि उपरोक्त सभी समस्याओं के निराकरण के लिए कृमि नियंत्रण एक प्रभावी उपाय है। बच्चों को कृमि नियंत्रण के सीधे फायदे खून की कमी में सुधार और बेहतर पोषण स्तर है जबकि अनुमानित फायदों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद, विद्यालय और आंगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार, भविष्य में कार्य क्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी शामिल है।

कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के विगत तीन चरणों की भांति इस वर्ष भी राज्य सरकार द्वारा 10 फरवरी 2016 को राज्य के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों और विद्यालयों में 1 से 19 वर्ष के बच्चों के लिए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया जायेगा। जो बच्चे बीमार होने या अनुपस्थित रहने के कारण दिनांक 10 फरवरी को दवाई नहीं ले पायेंगे, उन्हें यह मॉप अप दिवस (15 फरवरी) को दी जायेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आपसे निम्नलिखित सहयोग अपेक्षित है :

- कृमि नियंत्रण के महत्त्व को आमजन (विशेषतः माता–पिता एवं अभिभावक) को बताना और समुदाय में जागरूकता पैदा करना।
- कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में 10 फरवरी 2016 से पहले पंचायत समिति की बैठकों में संबंधित विभागों (स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं समेकित बाल विकास सेवायें), सरपंचों एवं पंचायत समिति सदस्यों के साथ चर्चा करके कार्यक्रम सम्पादन हेतु कार्य–योजना का निर्माण करना और इनकी कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करना।
- कार्यक्रम के आयोजन से पूर्व (8–9 फरवरी) और कार्यक्रम के दिन (10 फरवरी) विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करके कार्यक्रम आयोजन संबंधी आवश्यक तैयारी एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

आप से आशा है कि कार्यक्रम में प्रभावी योगदान करके राज्य के 2.5 करोड़ बच्चों हेतु बेहतर स्वास्थ्य एवं भविष्य निर्माण में सहयोग करेंगे!

सधन्यवाद !

राजेन्द्र राठौड़
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
राजस्थान सरकार